दिल्ली पब्लिक स्कूल ,जम्मू

सत्र : 2017–18

अभ्यास पत्र

कक्षा : दसवीं

विषय :

हिन्दी

निर्देश :

- अभ्यास पत्र के चार खंड हैं तथा प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।
- प्रश्नों के उत्तर देते हुए शब्दों की सीमा अनावश्यक मत बढ़ाइए। कृपया सभी प्रश्नों के यथायोग्य उत्तर दीजिए।
- यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमश : लिखिए।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरु करने से पहले , प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।

खण्ड–क

(अपठित बोध)

प्र1) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के उत्तर लिखिए:–

गल बाहें हों या हों कृपाण
चल चितवन हो या धनुष–बाण
हो रस विलास या दलित त्राण ,
अब यही समस्या है दुरंत
वीरों का कैसा हो वसंत ?
कह दे अतीत अब मौन त्याग ,
लंके ! तुझमें क्यों लगी आग ?
ऐ कुरुक्षेत्र ! अब जाग ,जाग ,
बतला अपने अनुभव अनंत
वीरों का कैसा हो वसंत ?
हल्दीघाटी के शिलाखंड !
ऐ दुर्ग! सिंहगढ़ के प्रचंड !
'राणा ' 'ताना ' का कर घमंड
दो आज जगा स्मृतियाँ ज्वलंत ,
वीरों का कैसा हो वसंत ?
भूषण अथवा कवि चंद नहीं ;
बिजली भर दे वह छंद नहीं ,
है कलम बँधी स्वच्छंद नहीं ,
फिर हमें बतावे कौन ? हंत !
वीरों का कैसा हो वसंत ?

1. उपर्युक्त काव्यांश में कवि किन दुविधाओं में दिखाई देता है? स्पष्ट कीजिए।
2. अतीत की बातें कर कवि क्या करना चाहता है ?

3. वसंत ऋतु में वीरों को क्या करना चाहिए ?

4. भूषण और चंद जैसे कवियों कैसी कविताओं की रचना की ?

प्र2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:–

हम सभी जानते हैं कि संघर्ष ही जीवन है। मानव को जीवन में अनेक प्रकार के संघर्ष करने पड़ते हैं ,जिससे उसे अनेक कष्टों को सहन करना पड़ता है। पुरुषार्थी मानव अपने पुरुषार्थ के बल पर सफलता प्राप्त कर लेता है। इस पुरुषार्थ का संबंध भी मानव–मन से है ,क्योंकि व्यक्ति के सभी प्रकार के कर्म तथा व्यवहारों को नियंत्रण करने वाली कोई शक्ति है ,तो वह है –उसका मन। निराश मन वाला व्यक्ति अनेक प्रकार के साधनों से संपन्न होते हुए भी असफल हो जाता है , जबकि अपेक्षाकृत कम शक्ति संपन्न होते हुए भी चित्त की दृढ़ता से युक्त व्यक्ति कभी पराजय का मुख नहीं देखता। कौरव सभी प्रकार की शक्तियों से संपन्न होते हुए भी चित्त की दृढ़ता न होने के कारण पराजित हुए ,जबकि अपेक्षाकृत कम शक्ति संपन्न होते हुए भी चित्त की दृढ़ता से युक्त व्यक्ति कभी पराजय का मुँह नहीं देखता।कौरव सभी प्रकार की शक्तियों से संपन्न होते हुए भी चित्त की दृढ़ता न होने के कारण पराजित हुए , जबकि पांडव असीम मानसिक दृढ़ता एवं अदम्य शक्ति से युक्त होने के कारण सफल हुए। इसी प्रकार के अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं। महात्मा गाँधी के चित्त की दृढ़ता के समक्ष विशाल अंग्रेज़ी साम्राज्य को घुटने टेकने पर विवश होना पड़ा था। मन की दृढ़ता के बल पर ही प्राचीन काल में अनेक ऋषि – मुनि अनेक प्रकार की सिद्धयाँ प्राप्त कर लिया करते थे। मन की दृढ़ता के कारण ही कालिदास जैसा मूर्ख संस्कृत का सर्वश्रेष्ठ कवि बन पाया। जापानियों की दृढ़ता को देखिए–विश्व युद्ध में परमाणु बम से होने वाली तबाही के बावजूद वे पुनः उठ खड़े हुए और आज विश्व के शीर्षस्थ राष्ट्रों में गिने जाते हैं।व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने मन को दुर्बल न होने दे। जिसने अपने मन को जीत लिया ,उसने मानो सारे संसार पर विजय प्राप्त कर ली। मन को अपने वश में कर लेने वाले व्यक्ति ही स्वावलंबी या पुरुषार्थी कहलाते हैं। व्यक्ति को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हानि–लाभ , जीवन–मरण , यश–अपयश सब उसी तरह आते–जाते रहते हैं , जैसे सूर्यास्त के बाद सूर्योदय। इसलिए पराजय के क्षणों में धैर्य बनाए रखना चाहिए ।

1. पुरुषार्थ का संबंध किससे एवं क्यों है ?
2. साधन संपन्न व्यक्ति भी क्यों असफल हो जाता है ?
3. कैसा व्यक्ति कभी पराजय का मुँह नहीं ताकता ?
4. कौरवों के पास क्या नहीं था ?
5. कालिदास किस गुण के कारण संस्कृत के सर्वश्रेष्ठ कवि बन गए ?

खण्ड–ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

प्र3) क) पद किसे कहते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

ख) शब्द और पद में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्र4) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए :–

क) अध्यापक के आते ही विद्यार्थी मौन होकर बैठ गए। (मिश्र)

ख) आलसी होने के कारण वह विफल हुआ। (संयुक्त)

ग) आप चाय पिएँगे और फिर सो जाएँगे। (सरल)

प्र5) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए :–

क) आप उससे क्या कहे हैं ?

ख) हमारे घर उसका बात होता रहता है ।

ग) इस गलती की दुबारा पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

घ) कामयाबी को पढ़कर आनंद की आभास होता है।

प्र6) निम्नलिखित के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :–

क) तीसरी है जो कसम (समस्त पद का विग्रह कर नाम लिखिए)

ख) तिराहा (समस्त पद का विग्रह कर नाम लिखिए)

ग) मुख है जो चंद्र समान (समस्त पद बनाकर नाम लिखिए)

घ) भय से भीत (समस्त पद बनाकर नाम लिखिए)

प्र7) निम्नलिखित वाक्यों में मुहावरों को इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए :–

क) मैंने ––––––––––की बहुत कोशिश की, किंतु उसके हत्थे चढ़ ही गया।

ख) उसकी बातों पर न जाना, उसे ––––––––––की आदत है।

खंड–ग

प्र8) निम्नलिखित प्रश्नों के यथायोग्य उत्तर लिखिए :–

क) ओचुमेलॉव ने काठगोदाम के पास क्या देखा ?

ख) लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के क्या–क्या कारण बताए ? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं ?

ग) सआदत अली वज़ीर अली का दुश्मन क्यों बन गया था ?

प्र9) लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा ? स्पष्ट कीजिए।

प्र10) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

क) बिहारी ने जगत को तपोवन क्यों कहा है और इससे क्या संदेश देना चाहा है?

ख) 'कर चले हम फिदा' कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

ग) 'वृथा मरे, वृथा जिए' से कवि का क्या तात्पर्य है? स्पष्ट करें।

प्र11) निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लिखिए :–

' कर चले हम फिदा 'कविता में शहीद होते सैनिकों ने देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ की हैं? अपने शब्दों में लिखिए।

प्र12) "प्रेम न जाने जात–पात, प्रेम न जाने खिचड़ी भात" – पंक्ति से आप किन मूल्यों का निष्कर्ष निकाल सकते हैं?

खंड–घ

प्र13) किसी समाचार–पत्र के संपादक को आप अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बताइए।

प्र14) इंटरनेट की उपयोगिता और दुरुपयोग पर वार्तालाप करते दो विद्यार्थियों का संवाद लिखिए।

प्र15) अपने पुराने घरेलू फर्नीचर को बेचने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र16) विद्यालय में आयोजित होने वाली उत्सव सांस्कृतिक मेले के लिए एक सूचना साहित्यिक क्लब के सचिव की ओर से विद्यालय सूचना पट्ट के लिए लिखिए।

प्र17) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए:–

(i) शिष्टाचार

संकेत बिंदु :–

1. शिष्टाचार क्या है
2. महत्त्व एवं लाभ
3. बाधक तत्व एवं निराकरण

(ii) स्मार्ट क्लास की उपयोगिता

संकेत बिंदु :–

1. छात्रों की अधिक सक्रियता
2. विषयवस्तु का अधिगमन
3. कम से कम समय में अधिक जानकारी
4. छात्रों पर प्रभाव

(iii) जीवन में श्रम की महत्ता

संकेत बिंदु :–

1. श्रम के विभिन्न रूप
2. प्रगति का मूल मंत्र
3. श्रम के आदर्श